राज निवास
दिल्ली-११००५४
RAJ NIWAS
DELHI-110054

विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल
Vinai Kumar Saxena
Lt. Governor

D.O. No.: RN/2023/ 403
Dated: 01/08/2023

संदेश

आजादी के गौरवशाली 75 वर्षों के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली नगर निगम द्वारा 'वेस्ट टू आर्ट' के तहत तैयार किया गया **'आजादी का अमृत महोत्सव पार्क (शहीदी पार्क)'** पूरे देश के समक्ष एक अनूठा उदाहरण है। आज जबकि पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, ऐसे में इस पार्क की अहमियत और भी बढ़ गई है। यह पार्क हमारे उन महान शहीदों को समर्पित है जिन्होंने इस देश की आजादी और इसके विकास के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

दिल्ली नगर निगम द्वारा विकसित देश के पहले बाह्य संग्राहलय के रूप में यह पार्क न सिर्फ दिल्लीवासियों को बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों से यहां आने वाले सैलानियों को हमारे देश में विभिन्न कालखंड में हुए महान विभूतियों के बारे में जानकारी देता रहेगा।

इस पार्क में अनुपयोगी और बेकार हो चुकी चीजों जैसे- ट्रक के पुर्जे, बिजली के पुराने खंबे, साइकिल-रिक्शा इत्यादि के पुर्जों से भारत के स्वर्णिम युग और मराठा और सिक्ख साम्राज्य, देश के प्रथम स्वाधीनता संग्राम, स्वदेशी आंदोलन व सत्याग्रह और आजादी के बाद देशी रियासतों के एकीकरण आदि को बड़ी खूबसूरती से दर्शाया गया है।

यह पार्क न सिर्फ देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'कौशल विकास' का अद्वितीय उदाहरण है अपितु यह पार्क कचरे से कंचन बनाने का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। वेस्ट टू आर्ट की श्रृंख्ला में यह दिल्ली का तीसरा थीम पार्क है। इससे पहले 'वेस्ट टू वंडर पार्क' और 'भारत दर्शन पार्क' अलग-अलग थीम पर हमारे सामने आ चुके हैं।

इस तरह के थीम पार्क को विकसित कर दिल्ली नगर निगम ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह पूरे विश्व में 'वेस्ट टू आर्ट' की विधा में एक अग्रणी संस्था है। 'आजादी का अमृत महोत्सव पार्क (शहीदी पार्क)' के माध्यम से आज की पीढ़ी, भारत के महान सपूतों को करीब से देख सकेगी और उन्हें समझ सकेगी।

इतना ही नही, यह पार्क दिल्लीवासियों समेत यहां पर आने वाले सैलानियों को भी 'वेस्ट टू आर्ट' के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि यह पार्क देश-विदेश से यहां पर आने वाले सैलानियों के लिए एक प्रमुख प्रर्यटन स्थल बनेगा। मैं इसके लिए दिल्ली नगर निगम को दिल से बधाई देता हूं।

(विनय कुमार सक्सेना)